The Free Press Journal (Mumbai) 15 January, 2018

The 'Role of Trade Finance for Inclusive Growth' meet held

Commerce Secretary, Rita A Teaotia addressed an ASSOCHAM National Conference on 'Role of Trade Finance for Inclusive Growth,' recently. Others seated on the dais are ASSOCHAM secretary general, D S Rawat; Dr Deepali Pant Joshi, former ED, RBI; Amit Saxena, MD and CEO, UAE Exchange & Financial Services Ltd.; Geetha Muralidhar, CMD, ECGC; David Rasquinha, MD, EXIM Bank Ltd.; Kalpesh Mehta, partner, Deloitte Haskins & Sells (India) and M Narendra, senior advisor, ASSOCHAM Banking and Finance Council.

Deshbandhu — **15 January, 2018**

अध्ययन | *उद्योग संगठन एसोचैम ने किया दावा, कहा*

चालू वर्ष में थम सकती है शेयर बाजार में तेजी

नई दिल्ली, 14 जनवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार के निवेशकों के लिए वर्ष 2017 शानदार रहा जबकि चालू वर्ष में इसमें जारी तेजी में शिथिलता आ सकती है और निवेशकों को मिलने वाला रिटर्न भी सीमित हो सकता है। उद्योग संगठन एसोचैम ने आज यहां जारी एक अध्ययन के आधार पर यह दावा करते हुए कहा है कि वर्ष 2017 भारतीय शेयर बाजार में लिए स्वर्णिम रहा लेकिन वर्ष 2018 में शेयर बाजार में तेजी का बुलबुला फूट सकता है क्योंकि वैश्विक स्तर पर कमोडिटी की कीमतों में तेजी आने से केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति को सशक्त बना सकते हैं।

इसके साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी और घरेलू स्तर पर कृषि क्षेत्र में कमजोर प्रदर्शन से महंगाई बढ़ने का खतरा है जिससे शेयर बाजार पर दबाव बन सकता है।

अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों में करेक्शन हो सकता है और इसके लिए कोई एक कारक या कई कारक हो सकते हैं जैसे केन्द्रीय बैंकों की मौद्रिक नीति कठोर हो सकती है, कच्चे तेल की कीमतों का दबाव, भू राजनैतिक जोखिम सहित कई कारक हो सकते हैं और इसका भारत, चीन व अन्य उभरते हुए बाजारों पर असर पड़ सकता है। इसके मद्देनजर 2018 पिछले वर्ष के विपरीत रह सकता है। प्राथमिक बाजार की तेजी और

वर्ष 2017 भारतीय शेयर बाजार में लिए स्वर्णिम रहा लेकिन वर्ष 2018 में शेयर बाजार में तेजी का बुलबुला फूट सकता है क्योंकि वैश्विक स्तर पर कमोडिटी की कीमतों में तेजी आने से केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति को सशक्त बना सकते हैं : एसोचैम

कुल मिलाकर कर' वृहद आर्थिक स्थिति ने भारत और चीन को निवेशकों के लिए आकर्षक बनाया है। वर्ष 2017, प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भी शानदार रहा। पिछले वर्ष 153 कंपनियों के आईपीओ व उन कंपनियों ने 11.6 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई। अधिकांश आईपीओ को कई गुना तक अभिदान मिले जिससे यह प्रतीत होता है कि निवेशकों में आईपीओ को लेकर किस तरह का जोश था। वर्ष 2018 में संपदा प्रबंध निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र हो सकता है लेकिन बांड बाजार पर महंगाई का दबाव दिख सकता है। इसका असर ब्याज दरों पर भी पड़ सकता है जिससे ऋण बाजार और बैंकों में जमा के प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। एसोचैम के महासचिव डी एस रावत ने कहा कि आगामी बजट फरवरी में आ रहा है और उसके बाद कई प्रमुख राज्यों में विधानसभा चुनाव होने है जिससे शेयर बाजार में भारी उतार चढ़ाव हो सकता है।